ISSN: 2278-1439, Volume 06, Issue 01, No. 11, July-December 2016, Page No. 19-24

homepage: www.vcebhopal.ac.in

Research Pool

An International Interdisciplinary Journal

भारत में लघु, कुटीर एंव हथकरघा के विकास में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कौशल विकास योजना का योगदान

डॉ. सरोज जैन
प्राचार्य
विक्टोरिया कॉलेज ऑफ एजुकेशन भोपाल (म.प्र.)
Email: sarojjain8@rediffmail.com

सारांशः

भारत देश दुनिया में सबसे अधिक युवा शक्ति वाला देश है। हमारा देश पूरे विश्व में फैला हुआ है। जनसंख्या की अधिकता को हमेशा ही देश की गरीबी के लिए उत्तरदायी माना गया है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने नयी जागरूकता लाते हुए इसे ही देश की सबसे प्रबल ताकत कहा है। हायर एजुकेशन के बाद पढ़े लिखे युवाओं को तो रोजगार मिलता है लेकिन इसके अलावा भी कुछ ऐसी ट्रेनिंग सुविधा होनी चाहिए जिससे कम पढ़े लिखे युवाओं को भी किसी भी क्षेत्र में कौशल अर्जित कर ऐसे रोजगार के अवसर प्रदान किये जा सके जिसमें कम समय व कम व्यय हो। यदि हमारे देश के युवाओं एवं महिलाओं को विभिन्न कौशलों जैसे- सिलाई, कढ़ाई, बुनाई पेंटिंग्स, धातु एवं मिट्टी के विभिन्न बर्तन बनाना, आभूषण बनाना, रंगाई, बेल्डिंग, ग्लास एवं सिरेमिक, टेक्सटाइल प्रिंटिंग, लकड़ी का काम, स्टोन क्राफ्ट, टेरी कोटा, अचार, पापड़ एवं घरेलु सामान संबंधी कार्यों की ट्रेनिंग दी जाए और उचित मार्ग दर्शन दिया जाए तो हम अपने देश की बेरोजगारी एवं गरीबी की समस्या को कुछ स्तर तक कम कर सकते हैं। देश की जनसंख्या में 65 प्रतिशत युवा हैं जिनकी उम्र 35 साल से कम है। यह हमारे देश की युवा शक्ति है अगर इन्हें वक्त रहते निखारा जाए तो आसानी से युवा शक्ति को रोजगार में लगा सकते हैं इसीलिए राष्ट्रीय कौशल विकास योजना प्रारंभ की गई है। जिसका मुख्य उद्देश्य देश में सभी युवा वर्ग को संगठित कर उनके कौशल को निखार कर उनकी योग्यतानुसार रोजगार प्रदान करना है।

मुख्य शब्द – लघु, कुटीर एंव हथकरघा उद्योग, राष्ट्रीय कौशल विकास योजना।

प्रस्तावनाः

प्रत्येय व्यक्ति के मन में सफल उद्योगपति बनने, सम्पत्ति कमाने, नाम कमाने तथा आत्मनिर्भर बनने की इच्छा होती है। भारत जैसे विकासशील देश में अर्थव्यवस्था के विकास में लघु उद्योग एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यदि हमारे देश के युवाओं एवं महिलाओं को विभिन्न कौशलों जैसे- सिलाई, कढ़ाई, बुनाई पेंटिंग्स, धातु एवं मिट्टी के विभिन्न बर्तन बनाना, आभूषण बनाना,

रंगाई, बेल्डिंग, ग्लास एवं सिरेमिक, टेक्सटाइल प्रिंटिंग, लकड़ी का काम, स्टोन क्राफ्ट, टेरी कोटा, अचार, पापड़ एवं घरेलु सामान संबंधी कार्यों की ट्रेनिंग दी जाए और उचित मार्ग दर्शन दिया जाए तो हम अपने देश की बेरोजगारी एवं गरीबी की समस्या को कुछ स्तर तक कम कर सकते हैं एवं देश की अर्थव्यवस्था के विकास में अपना सहयोग दे सकते हैं। जिस तरह से चीन एक ग्लोबल मेनीफेकचरिंग फेक्ट्री के रूप में उभर कर सामने आया। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना शुरू की गई है।जिसका मुख्य लक्ष्य युवाओं पढ़े लिखे, कम पढ़े लिखे, अनपढ़ नौजवानों एवं महिलाओं के हुनर को मजबूत धरातल देना हैं साथ ही महिलाओं को सशक्त बनाना हैं।देश की गरीबी को हटाने एंव बेरोजगारी की समस्या के समाधान हेतु कौशल विकास योजना बहुत सहायक होगी। गरीबों की यह प्रचंड सेना ही कौशल विकास के द्वारा विभिन्न रोजगारों में सफल होकर देश को विकास के पथ पर अग्रसर कर सकती है।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना का लक्ष्यः

- इस योजना के पहले वर्ष में 24 लाख वर्कर्स को शामिल किया जाएगा इसके बाद वर्ष 2022 तक यह संख्या 40.2 करोड़ ले जाने की योजना है।
- राष्ट्रीय कौशल विकास योजना का मुख्य उद्देश्य देश में सभी युवा वर्ग को संगठित कर उनके कौशल को निखार कर उनकी योग्यतानुसार रोजगार प्रदान करना है।
- राष्ट्रीय कौशल विकास के लिए लोग अधिक से अधिक संख्या में जुड़ सकें इसके लिए उन्हें लोन की सुविधा दी जाएगी जिससे वो इस दिशा में कार्य कर सकें।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से कैसे जुड़ेः

- सरकार ने कई टेलीकॉम कंपनी को इस दिशा में कार्य करने के लिए अपने साथ जोड़ा है।
- यह टेलीकॉम कंपनी एस.एम.एस. (SMS) द्वारा इस योजना को सभी लोगों तक पहुँचाएगी।
- इसके साथ ही एस.एम.एस. (SMS) में एक ट्रोल नंबर दिया जायेगा जिस पर कैंडिडेट को मिस कॉल देना होगा।
- मिस कॉल के तुरंत बाद आपकों ऑटोमेटीकली एक नंबर से कॉल बेक आएगा जिसके जरिये आप Interactive Voice Response (IVR) सुविधा से जुड़ जायेंगे।
- इसके बाद कैंडिडेट को अपनी जानकारी दिए गये निर्देशानुसार भेजनी होगी यह जानकारी सिस्टम में सेव कर ली जाएगी।
- इस जानकारी के मिलते ही कैंडिडेट को उसकी रेंज अर्थात् उसके रहवास के सबसे निकट ट्रेनिंग सेंटर से जोड़ा जायेगा। जहाँ से उन्हें पूरी जानकारी प्राप्त होगी।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के मुख्य सदस्यः

- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में मुख्य रूप से प्रधानमंत्री एवं वित्तमंत्री अरूण जेटली के साथ तीन मुख्यमंत्री इस योजना के सदस्य होंगे।

- इसके साथ रूलर डेवलपमेंट, लेबर डेवलपमेंट, ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट लेबर एंड एम्प्लोयीमेंट, ओवरसीज़ अफेयर्स, आई टी एवं नीति आयोग के डिप्टी चेयरमेन आदि शामिल होंगे।

कौशल विकास के कुछ उदाहरणः

कौशल विकास के कुछ उदाहरण अग्रलिखित हैं कुछ लोगो ने कम खर्च में नये बिजनेस की शुरूआत की और सफल उधोगपति बन कर फिलहाल में काफी कमा रहे हैं।

- मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले के 2 लड़कों ने अपनी जॉब छोड़कर केले के चिप्स बनाने का बिजनेस स्टार्ट किया। और अभी उनके चिप्स बाहर एक्सपोर्ट हो रहे हैं।
- खंडवा जिले में एक व्यक्ति में यहां पास ही में उपस्थित पेपर मिल से वेस्टेज को एकत्र कर इससे पुस्टे बनाना स्टार्ट किया। अब उसका मासिक सप्लाई 500 टन के आस पास है।
- कुछ लोगों ने घरेलू उद्योग के रूप में घर पर से मोमबत्ती और अगर बत्ती बनाकर बेचना शुरू किया। आज उन्होने अपना काम बहुत बड़े स्तर पर कायम कर रखा है।
- कुछ समय पहले एक व्यक्ति ने बहुत ही छोटे स्तर पर अपने घर से पौधो को सेल करना स्टार्ट किया था। परंतु धीरे-धीरे करके अब वह जिले की सबसे बड़ी नर्सरी बन चुकी है।
- बहुत समय से बारिश न होने से फसल खराब होने के कारण किसान ने अपना मन परिवर्तित किया और अपनी जमीन पर फूलो की खेती की और साल में 12 महीने मुनाफा कमाने लगा।
- एक व्यक्ति ने अपने खेतों के बहुत बड़े स्तर पर चन्दन के पेड़ लगाए, हालाकि इन पेड़ों को बड़ा होने में कई वर्ष लग गए। परंतु आज इन पेड़ों की कीमत बहुत बड़ी राशि है। इसी तरह बारिश समय पर न होने के कारण एक किसान ने उन्नत खेती के तरीके अपनाये और अब वह पहले से कई गुना बेहतर लाभ कमा रहा है।
- आज कल दुनिया ने प्रगति कर ली है और छोटे बच्चे भी नेट के जरिये काफी बड़ी रकम कमा रहे है। इसी कड़ी में विदेश की एक लड़की अपने नए तरीके के केक बनाने को लेकर फेमस हो गयी है। और उसकी इस बिजनेस के जरिये मासिक आय लाखो में है।

कम खर्च में नये बिजनेस की शुरूआत करने के लिए कुछ आयडियाः

- **ब्यूटीपार्लर और स्पा**– यदि आपने ब्यूटी पार्लर का कोर्स किया है तो आप खुद का ब्यूटीपार्लर खोल सकते हैं।
- **अचार पापड़ का बिजनेस**– वर्तमान में महिलाओं जॉब कर रही हैं। इसलिए घर पर अचार, पापड़ बनाने का समय नहीं रहता है इसीलिए अब अचार, पापड़, बरी आदि

अनेकों घर की बनी सामग्री को महिलायें बिजनेस के रूप में तैयार कर बाजार में बेच सकती हैं।

- **सिलाई एवं कढ़ाई का कार्य**– महिलायें घर पर ही इस बिजनेस को शुरू कर सकती हैं और इसमें कम व्यय होता है और आगे चलकर आप बुटिक भी खोल सकते हैं।
- **टेरीकोटा, मिट्टी एवं धातु के सामान**– यदि आपकों मिट्टी, टेरीकोटा एवं धातु के बर्तन एवं अन्य सामान बनाने में कौशल है तो आप विभिन्न सजावटी सामान को बनाकर प्रारंभ में घर से ही बेच सकते हैं और बाद में इसे बड़े स्तर पर भी कर सकते हैं।
- **लकड़ी का कार्य**– लकड़ी से आप विभिन्न फर्नीचर, सजावटी सामान एवं आभूषण बना सकते हैं और अपना खुद का एक लघु व्यवसाय कर सकते हैं।
- **रिक्रूटमेंट फर्म**– रिक्रूटमेंट फर्म मतलब ऐसी कंपनी से है जो युवाओं को उनकी रिलेटेड फील्ड में जॉब दिलवाती है। अगर आप इस तरह के बिजनेस के बारे में सोचते हैं तो आपकों इसके लिए जरूरत होगी अपना नेटवर्क बनाने की। आज कल तो कई कंपनियां खुद इस तरह की फर्म को अपने लिए सही व्यक्ति हायर करने के लिए कुछ रूपये कैंडिडैट की सैलरी में से प्रतिशत के रूप में देती है।
- **रियल स्टेट कंसलटेंसी**– व्यक्ति जितना अधिक कमाता है, उतना ही वह इन्वेस्ट करता है और प्रोपर्टी में इन्वेस्ट तो सबसे अधिक फायदे का सौदा है और यदि कोई व्यक्ति अपनी प्रोपर्टी किसी रियल स्टेट फर्म की सहायता से खरीदता है तो वह उसके लिए रियल स्टेट फर्म को प्रोपर्टी की कीमत का एक या दो प्रतिशत अदा करता है जो कि एक काफी अच्छी राशि होती है। सबसे अच्छी बात तो यह है कि किसी भी रियल स्टेट फर्म को स्टार्ट करने के लिए इनवेस्टमेंट राशि बहुत ही कम होती है।
- **ऑनलाइन मार्केटिंग**– यहां ऑनलाइन मार्केर्टिंग से मेरा मतलब किसी भी तरह की वस्तु जैसे महिलाओं के उपयोग की वस्तुएं, किराने का सामान, कपड़े या अन्य कोई भी वस्तु आप ऑनलाइन सेल कर सकते हैं। इसमें फायदा यह होता है कि आपको किसी तरह का स्टॉक नहीं रखना होता। आप ऑर्डर मिलने पर वस्तु लेकर पुनः सेल कर सकते हैं। इस तरह आप बड़े भारी इनवेस्टमेंट से बच जाते हैं।
- **ऑनलाइन ब्लॉगिंग और खुद की वैबसाइट बनाना**– आज कल के समय में यह सबसे अच्छा बिजनेस है जिसे आप घर बैठे और अपने समय के अनुरूप काम करके पैसा कमा सकते हैं। इस बिज़नेस को स्टार्ट करने के लिए आवश्यक राशि बहुत कम है जो कि वेबसाइट का नाम लेने के लिए आवश्यक होती है। अगर आप अपनी होस्टिंग नहीं चाहते तो आप गूगल ब्लोगर का इस्तेमाल कर अपनी साईट शुरू कर सकते हैं। जिसमें बहुत सारी डिजाईन ब्लॉग के लिए उपलब्ध होती है। जिनका उपयोग कर आप लिखना शुरू कर सकते हैं। जैसे जैसे आपका ब्लॉग पोपुलर होगा आपकी इनकम होने लगेगी।
- **इवैंट मेनेजमेंट फर्म**– आज कल के समय में हर कोई बहुत व्यस्त है और किसी के पास इतन समय नहीं है कि वह अपने घर का हर कार्यक्रम खुद प्लान कर पाये। आज कल घर का कोई भी कार्यक्रम हो चाहे छोटा या बड़ा व्यक्ति चाहता है कि कोई और इसे प्लान कर दे। तो इवैंट मेनेजमेंट फर्म वो फर्म होती है जो कि किसी और के लिए

उसका कार्यक्रम आयोजित करती है और इसके बदले कुछ पैसे लेती है। यह भी एक तरह का बिजनेस है। जिसमें इनवेस्टमेंट राशि बहुत ही कम होती है।

- **ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट–** आज कल के समय में यह बिल्कुल भी जरूरी नहीं है कि किसी भी प्रकार का ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट स्टार्ट करने के लिए आप उस काम में सक्षम हो। आप इसके लिए ट्रेनर बाहर से भी हायर कर सकते हैं और कम पैसे में अपना बिज़नेस स्टार्ट कर सकते हैं।
- **ज्वेलरी बनाना–** अगर आपको ज्वेलरी डिजाइन करने का थोड़ा भी आइडिया है तो आप बहुत थोड़ा सा इन्वेस्ट करके इस बिज़नेस को बहुत अच्छे से सेट कर सकते हैं।
- महिलाओं के लिए जिम आजकल के समय में हर दूसरी महिला का वजन बड़ा हुआ है, तो महिलाओं के लिए जिम एक बहुत ही अच्छा आइडिया है। क्यूंकि महिलाओं के लिए कम मशीनों के साथ भी जिम शुरू कर सकते हैं। इसमें केवल कुछ जरूरी मशीनों की ही आवश्यकता होती है। इसलिए जिम में इनवेस्टमेंट भी पुरूषों के जिम की अपेक्षा कम होता है।
- **मोबाइल फूड कोर्ट–** आज कल के समय में किसी के पास भी ज्यादा समय नहीं होता। इसलिए लोग होटल या रेस्टौरंट जाकर खाना खाने की अपेक्षा कई बार चाहते है कि वे अपना खाना अपनी जगह पर ही ऑर्डर कर दें। इसलिए यह आज कल के टाइम में यह बिज़नेस का सबसे अच्छा आइडिया है।
- **वैडिंग प्लानर–** वैडिंग प्लानर मतलब किसी शादी का सारा इंतजाम अपने हाथों में लेना। इसके बदले में आपको अपने द्वारा किये गये इंतजाम के पैसे मिलते हैं। क्यूंकि आज कल के व्यस्त समय में सब कुछ मैनेज मरना कठिन होता है। जिसके कारण लोग आज कल के व्यस्त समय में सब कुछ मैनेज करना कठिन होता है। जिसके कारण लोग इसे आउटसोर्स कर देते हैं। तो यह बिज़नेस का बहुत ही अच्छा आइडिया है।
- **कोचिंग इंस्टीट्यूट–** अगर आपका किसी सबजेक्ट में नोलेज बहुत अच्छा है तो यह आपके लिए बेस्ट आइडिया है क्यूंकि इस बिजनेस में किसी प्रकार के शुरूवाती इनवेस्टमेंट की आवश्यकता नहीं होती।
- **मैट्रीमोनी सर्विस–** अगर आपके कांटैक्ट अच्छे हैं तो यह आपके लिए बेस्ट बिज़नस का आइडिया है।
- **योगा इन्सट्रक्टर–** अगर आप पार्ट टाइम में कोई बिजनेस शुरू करना चाहते हैं तो यह आपके लिए बेस्ट आइडिया है। अगर आपके पास इससे रिलेटेड सर्टिफिकेट नहीं है तो आप कुछ कोर्सेस करके आसानी से इस तरह के सर्टिफिकेट पा सकते हैं और अपना बिजनेस स्टार्ट कर सकते हैं।
- **इंटीरियर डिजाइनर–** यह भी एक ऐसा कोर्स है जिसका सर्टिफिकेट आप अपनी उम्र के किसी भी समय में पा सकते हैं। बस जरूरत होती है इंटरेस्ट की। इसके बाद आप अपना स्वयं का बिजनेस स्टार्ट कर सकते हैं।
- **ऑनलाइन किराना शॉप–** आज कल हर कोई चाहता है कि उसके घर की जरूरत की चीज़ें उनके घर तक कोई पहुँचा दे तो यह आपके लिए बेस्ट बिज़नस आइडिया है।

इसमें फायदे की बात यह है कि आपकों बहुत ज्यादा मात्रा में सामान रखने की आवश्यकता नहीं होती।

निष्कर्ष तथा परिचर्चाः

वर्तमान में हमारे देश में जो बेरोजगारी की समस्या है उसके समाधान हेतु प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना अत्यंत ही उपयोगी है। इस योजना से निश्चित ही लघु कुटीर एंव हथकरघा से जुडे युवाओं एवं महिलाओं को अपने विभिन्न कौशलों जैसे- सिलाई, कढ़ाई, बुनाई पेंटिंग्स, धातु एवं मिट्टी के विभिन्न बर्तन बनाना, आभूषण बनाना, रंगाई, बेल्डिंग, ग्लास एवं सिरेमिक, टेक्सटाइल प्रिंटिंग, लकड़ी का काम, स्टोन क्राफ्ट, टेरा कोटा, अचार, पापड़, ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, ऑनलाइन किराना शॉप आदि विभिन्न कौशलों को विकसित करने का अवसर मिलेगा। ऐसे युवा जो बड़े बड़े एवं मँहगे डिग्री कोर्स नही कर पाते है वे इस तरह की ट्रेनिंग के जरिये अपनी योग्यता को निखार सकते है। और इसमें मिलने वाली लोन सुविधा का लाभ लेकर अपना खुद के नये बिजनेस की शुरूआत कर सकते है और अपना जीवनयापन बेहतर तरीके से कर सकते है।

पैसा कमाने के लिए योग्यता का होना जरूरी है उसे निखारने के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना अपना हाथ बढ़ा चुकी है। अब तक कई लोग इससे जुड़ चुके हैं। पहले हमारा देश IIT Indian Institutes of Technology के नाम से विश्व में माना जाता था लेकिन अब IIT Industrial training Institutes की सफलता के रूप में विख्यात होगा। इस एक लाइन के पीछे इस योजना में कितनी शक्ति है इसका पता चलता है।

इस योजना से जुड़कर अपने ज्ञान को उभारे एवं गरीबी से लड़े। हमारे देश की गरीबी को हटाने के लिए हम सभी को एकजुट होना चाहिए। गरीबी भी एक रोग की तरह है। इससे लड़ने के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना बहुत अहम् फैसला है। इस दिशा में जागरूक बने और जल्द से जल्द इससे जुड़े। इस योजना की जानकारी जरूरतमंद को जरूर दें। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना जब अपने पैर पसारेगी तो संभवतः विकास की ओर आगे ही बढ़ेगी।

संदर्भ ग्रंथ सूचीः

1. **NIIR Board (2004).** Laghu V Griha Udyog, National Institute of Industrial Research.
2. https://en.wikipedia.org/wiki/Handicraft.
3. handicrafts.nic.in